Dr Pankaj Anand ...
S.N.S.R.K. College Saharsa
Depart L.S.W

Q – Labour Market: Nature and characteristics, demand for supply of labour. श्रम बाजार के प्रकृति और माँग एवं पूर्ति का विश्लेषण कीजिए

Ans – श्रम बाजार वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक विशेष प्रकार के श्रम की पूर्ति तथा उसी प्रकार की माँग संतुलित होती है। श्रम बाजार वह स्थान या क्षेत्र होता है जहाँ पर यह प्रक्रिया संपादित की जाती है।

मोटे तौर पर श्रम बाजार का अर्थ उस स्थान या क्षेत्र से भी लगाया जाता है जहाँ विभिन्न प्रकार के कारखानों, उद्योगों, व्यवसायों आदि के लिए सापेक्षिक मजदूरी स्तर निर्धारित होती है।

एक अन्य धारणा के अनुसार "श्रम बाजार का अर्थ एक निर्माणी तथा व्यावसायिक केन्द्र से है जहाँ प्रत्यक्ष रूप से इसका सहायक कृषि क्षेत्र भी सम्मिलित रहता है।

संयुक्त राज्य के रोजगार सेवा संगठन के अनुसार "श्रम बाजार वह स्थान है जिसके अंदर रोजगार की क्रियाओं को प्रभावित करने वाली शक्तियाँ कार्य करती हैं। इस स्थान के उद्योगपति अपने कर्मचारियों की भर्ती करते हैं और कर्मचारी काम तलाशते हैं। यह एक सामान्य क्षेत्र है जिसमें श्रम की माँग एवं पूर्ति, मजदूरी के अंतर, काम के घंटों के परिवर्तन, भर्ती और कार्य की दशा, उद्योगपति और श्रमिक के संबंध का निर्माण होता है। The labour market is 'place' within which the factor's influencing the employment process oprate. It is the 'place' where employers recruit workers and in which seek employment. It is general field in which labour demand and supply, wage differentials, variation in hour's and shifts of work, employer hiring practices and meltude of other working conditions shape employer job relationship."

— Method of Area Labour Market Analysis pubished by United State Employment Services.

'श्रम बाजार' शब्द का कुछ लोग विरोध करते हैं क्योंकि इस शब्द में ध्वनि निकलती है कि श्रम भी एक वस्तु है। थॉर्डर ने इन आपत्तियों उत्तर अपने इन शब्दों में दिया है "इस की आपत्तियाँ बौद्धिक क्षमता की अपेक्षा भावुकता और राजनैतिक